आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार एकांश
देहरादून (उत्तराखण्ड)
बृहस्पतिवार 07.08.2025
समय 1305

मुख्य समाचार :–

- उत्तरकाशी जिले के आपदा ग्रस्त धराली क्षेत्र में तीसरे दिन भी राहत और बचाव अभियान युद्धस्तर पर जारी।
- रेस्क्यू अभियान में चिनूक, एमआई–17, ए.एल.एच और चीता हेलीकॉप्टर लगाए गए।
- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तरकाशी में रेस्क्यू हुए लोगों का कुशलक्षेम जाना। कहा– सरकार आपदा क्षेत्रों में फंसे लोगों को बाहर निकालने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।
- **और,** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के किसानों, मछुआरों और पशुपालकों के हितों को केंद्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता बताया।

राहत और बचाव अभियान

उत्तरकाशी जिले के धराली और हर्षिल क्षेत्र में बादल फटने और भूस्खलन से आई विनाशकारी आपदा के बाद आज तीसरे दिन राहत और बचाव अभियान युद्धस्तर पर जारी है। सेना, पुलिस, प्रशासन, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और आईटीबीपी की कुल 518 सदस्यीय टीमें बचाव अभियान में जुटी हैं, जबकि 814 और लोग राहत कार्यों में सहयोग के लिये तैयार हैं।

आज सुबह से मौसम साफ बने रहने के चलते हेलीकॉप्टर की सहायता से बचाव अभियान में तेजी आई है। एनडीआरएफ के कमांडर गंभीर सिंह चौहान ने बताया कि सड़कें क्षतिग्रस्त होने के कारण घटनास्थल पर बचाव टीमें मौके पर नहीं पहुंच पा रही थीं, लेकिन कल 35 जवान हेलीकॉप्टर के माध्यम से धराली पहुंचाए गए। अब राहतकर्मियों और निकाले गए लोगों का हवाई आवागमन भी संभव हो गया है। फंसे हुए लोगों को हेलीकॉप्टर के ज़रिए धराली से निकालकर मातली हेलीपैड लाया जा रहा है।

राहत और बचाव अभियान

रेस्क्यू अभियान के लिए चिनूक, एमआई–17, ए.एल.एच और चीता जैसे हेलीकॉप्टर लगाए गए हैं। राज्य सरकार की ओर से युकाड़ा के 6 हेलीकॉप्टर मौके पर है। गंगोत्री क्षेत्र से करीब 400 लोगों को हर्षिल पहुंचाया जा रहा है, जहां से उन्हें एयरलिफ्ट किया जाएगा।

इस हादसे में 50 से अधिक लोग लापता बताए जा रहे हैं। भारतीय सेना के 1 जेसीओ और 8 जवान भी लापता हैं। रेस्क्यू के दौरान 9 सैन्यकर्मी और 3 नागरिकों को हेलीकॉप्टर से देहरादून लाया गया, जबकि 3

गंभीर रूप से घायल नागरिकों को एम्स ऋषिकेश रेफर किया गया है। 8 नागरिकों का इलाज उत्तरकाशी जिला अस्पताल में चल रहा है।

इस बीच, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी आज सुबह मातली हेलीपैड पहुंचे और धराली से रेस्क्यू किए गए लोगों से बातचीत की। उन्होंने एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक कर राहत कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।

वही, स्वास्थ्य विभाग की टीमें मौके पर घायलों को लगातार उपचार दे रही हैं। देहरादून, कोरोनेशन और एम्स ऋषिकेश में आईसीयू व जनरल बेड आरक्षित कर दिए गए हैं। प्रभावित क्षेत्रों में डॉक्टरों की टीमों को तैनात किया गया है।

प्रभावित क्षेत्र में राहत सामग्री लगातार भेजी जा रही है, जिसमें आज दो हजार खाद्य पैकेट हर्षिल भेजे गए हैं। जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक और अन्य वरिष्ठ अधिकारी राहत कार्य की निगरानी के लिए मौके पर पहुंच चुके हैं।

पीएम

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि किसानों, मछुआरों और पशुपालकों का हित भारत सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। वे आज नई दिल्ली में आयोजित "एम.एस. स्वामीनाथन शताब्दी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन" को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने भारत में कृषि क्षेत्र को आत्मनिर्भर और टिकाऊ बनाने की दिशा में प्रोफेसर स्वामीनाथन के योगदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि डॉ. स्वामीनाथन ने यह दिखाया कि विज्ञान केवल खोज नहीं बल्कि वितरण का भी माध्यम होना चाहिए। उन्होंने अपने शोध के माध्यम से किसानों को खेती के आधुनिक तरीकों के लिए प्रेरित किया। उनके विचार आज भी हमारी नीतियों और कृषि विज्ञान में परिलक्षित होते हैं।

मोदी ने कहा कि हरित क्रांति के जनक माने जाने वाले डॉ. स्वामीनाथन का योगदान केवल कृषि उत्पादन तक सीमित नहीं था, बल्कि उन्होंने बायोडायवर्सिटी और बायो–हैप्पीनेस जैसे विचारों के माध्यम से स्थानीय समुदायों को भी सशक्त बनाया।

संस्कृत ग्राम

चमोली जिले के डिम्मर गाँव को संस्कृत ग्राम घोषित किया गया है। संस्कृत शिक्षा के सहायक निदेशक डॉ. चंडीप्रसाद घिल्डियाल ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरकार संस्कृत भाषा के प्रचार के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। पिछले कुछ महीनों से संस्कृत प्रशिक्षक लगातार संस्कृत ग्राम में ग्रामीणों को सरल संस्कृत भाषा सिखा रहे हैं। योजना के तहत गाँव में ही एक संस्कृत प्राथमिक विद्यालय भी स्थापित किया जाना है।

कैलाश मानसरोवर

कैलाश मानसरोवर तीर्थयात्रियों के चौथे जत्थे को पिथौरागढ़ जिले के धारचूला आधार शिविर में रोक दिया गया है। खराब मौसम और भूस्खलन की घटनाओं के कारण तीर्थयात्रियों को सुरक्षित स्थानों पर ठहराया गया है। प्रशासन का कहना है कि मौसम साफ होने और मार्ग सुचारू होने पर तीर्थयात्रियों को कैलाश मानसरोवर के लिए रवाना किया जाएगा।

बुरांश बाइट्स कैफे

पिथौरागढ़ जिले के कनालीछीना विकासखंड स्थित सतगढ़ गांव में स्वयं सहायता महिला समूह द्वारा संचालित रेस्टोरेंट "द बुरांश बाइट्स" का उद्घाटन 119 स्वतंत्र इन्फैंट्री ब्रिगेड के कमांडर गौतम पठानिया ने किया। पेश है एक रिपोर्ट–––

कार्यक्रम में प्रभिाग करते हुए जिलाधिकारी विनोद गोस्वामी ने समूह की महिलाओं को इस अभिनव पहल के लिए बधाई देते हुए कहा, "स्वाद और सेवा का यह समन्वय इसी प्रकार बनाए रखें।" उन्होंने कहा कि यह पहल महिला सशक्तिकरण का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जो न केवल पिथौरागढ़ जिले के लिए बल्कि पूरे राज्य के लिए एक प्रेरणादायक मॉडल बन सकता है। उन्होंने समूह को भविष्य में भी हर संभव प्रशासनिक सहयोग का आश्वासन दिया।

मुख्य विकास अधिकारी डॉ. दीपक सैनी ने इस पहल को महिला सशक्तिकरण और आजीविका संवर्धन की दिशा में एक मील का पत्थर बताया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत शुरू किया गया यह रेस्टोरेंट न केवल महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त करेगा, बल्कि स्वयं सहायता समूहों के संगठन और महासंघ को भी मजबूत करेगा।

"मानक मंथन"

भारतीय मानक ब्यूरो की क्षेत्रीय शाखा ने देहरादून में "मानक मंथन" नामक एक हितधारक परामर्श कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम "टिशू पेपर और टिशू उत्पाद" पर आधारित था।

कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए, बीआईएस देहरादून के प्रमुख सौरभ तिवारी ने उद्योग और उपभोक्ताओं की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप मानकों को अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया और राष्ट्रीय मानकीकरण में सभी हितधारकों की सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया।

कार्यक्रम में टिशू नैपकिन, टॉयलेट टिशू, टॉवल टिशू और फेशियल टिशू से संबंधित प्रस्तावित विशिष्टताओं की जानकारी भी साझा की गई।

कार्यक्रम में 70 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें सीपीपीआरआई (सहारनपुर), एफआरआई (वन अनुसंधान संस्थान), विभिन्न उद्योगों के प्रतिनिधि, तकनीकी विशेषज्ञ और सरकारी अधिकारी शामिल थे।